आए हैं प्राणनाथ यहाँ,सब राज़ खोल दिए
जिनको न कोई जान सका,अब वोह ही आ गए

1- सब ग्रन्थ जिनको ढूंढते,हैं ये तो वहीं
आ जाओ इनके चरणों में अब न कुछ कहीं
पूर्ण ब्रह्म जिन्हें कहा....

2- पूर्ण ब्रह्म तो सबके हैं किसी एक के नहीं
जाहेर हुए सबके लिए क्यूँ देखते नहीं
पहचान जिसने है लिया....

3- धंन धंन वो तो हो गए पहचान जो करे
है जिनका दिल जिन भांत का तिन विध पिया मिले
जिसने जैसा है लिया....

4- यहाँ तीनों सृष्टि आईं हैं तीनों की चाल जुदी
सब जाहिर अब तो हो रही कहने की बात नहीं
सब देख रहे हैं आप पिया

Nijanand App